20. असली मोती

१. चाहे गीता बाँचिए, चाहे पढ़ो कुरान।
मेरा तेरा प्यार ही, हर पुस्तक का ज्ञान।

■ तुम गीता पढ़ो या कुरान पढ़ो। हर किताब हमें मिलजुलकर रहना ही सिखाती है।

२. वृच्छ कबहुँ नहिं फल भखै, नदी न संचै नीर।
परमारथ के कारने, साधुन धरा सरीर।।

■ पेड़ अपने फल कभी नहीं खाते। नदी भी अपने लिए पानी इकट्ठा नहीं करती। उसी प्रकार सज्जन भी दूसरों की भलाई के लिए जीवन जीते हैं।

३. साई इतना दीजिए, जामें कुटुम समाय।
मैं भी भूखा ना रहूँ, साधु न भूखा जाय।।

■ हे भगवान! आप हमें इतनी ही संपत्ति दीजिए, जिससे सारे परिवार का गुज़ारा हो सके। मैं भी भूखा ना रहूँ और घर पर आने वाले मेहमान को भी खिला सकूँ।

४. ऐसी बानी बोलिए, मन का आपा खोय।
औरन को सीतल करै, आपहु सीतल होय।।

■ हमें हमेशा मीठी बोली बोलनी चाहिए। अपना अहंकार छोड़कर बातें करनी चाहिए। ऐसी बोली दूसरों को खुशी देती है और हमें भी खुश रखती है।

SCERT TELANGANA

सुवचन

१. जो औरों पर दया नहीं करता,
उसपर संकट में लोग दया नहीं करते।

■ हमें सबपर दया करनी चाहिए।

२. जो किसी को धोखा देता है,
वह स्वयं भी धोखा खा जाता है।

■ किसी को धोखा नहीं देना चाहिए।

सुनो-बोलो

(अ) पाठ के दोहे **सुनिए, सुनाइए ।**

(आ) दोहों के भावार्थ अपने शब्दों में **बताइए।**

(इ) इन दोहों के अलावा और कुछ दोहे अध्यापक से **सुनाइए।**

(ई) पाठ में दिये गये सुवचनों में **आपको** कौन-सा सुवचन अच्छा लगा?

पढ़ो-लिखो

(अ) नीचे बताये गये भाव के आधार पर दिये गये वाक्य किस दोहे में हैं? पहचानिए।

१. हर किताब हमें मिलजुलकर रहना सिखाती है।

.....

२. घर पर आनेवाले मेहमान को भी खिला सकूँ।

.....

३. सज्जन दूसरों की भलाई के लिए जीवन जीते हैं।

.....

SCERT TELANGANA

४. हमेशा मीठी बातें करनी चाहिए।

.....

(आ) नीचे दिये गये वाक्यों को उचित वाक्यों से जोड़कर पढ़िए।

१. किसी को धोखा	दया करनी चाहिए।
२. हर किताब हमें	साधु जीवन जीते हैं।
३. दूसरों की भलाई के लिए	नहीं देना चाहिए।
४. हमें सबपर	मिलजुल कर रहना सिखाती है।

(इ) उचित शब्दों से खाली जगह भरिए।

वृच्छ	मन	धोखा	पुस्तक	दया

१. मेरा तेरा प्यार ही हर ..... का ज्ञान।

२. सब पर ..... करनी चाहिए।

३. किसी को .....नहीं देना चाहिए।

४. ऐसी बानी बोलिए, ... का आपा खोय।

(ई) दोहा पूरा कीजिए।

१. ऐसी ..... होय।।

२. साई ..... जाय।।

(उ) नीचे दिये गये शब्द जिन पंक्तियों में आये हैं, उन्हें '◯' लगाइए।

दया, बानी, औरन, ज्ञान, नीर, स्वयं, सरीर, धोखा, कुटुम, आपा।

SCERT TELANGANA

(ऊ) **नीचे दिये गये पंक्तियों के भाव लिखिए।**

१. मेरा तेरा प्यार ही हर पुस्तक का ज्ञान।

.....

.....

२. औरन को सीतल करै, आपहु सीतल होय।

.....

.....

३. साई इतना दीजिए, जामे कुटुम समाय।

.....

.....

४. वृच्छ कबहुँ नहिं फल भखै, नदी न संचै नीर।

.....

.....

(ए) **किसी फलदार पेड़ के बारे में लिखिए ।**

.....

.....

.....

.....

.....

SCERT TELANGANA